भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. †∗12

सोमवार, 3 फरवरी, 2025/14 माघ, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

एसएएससीआई योजना के तहत विशेष सहायता

†∗**12. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:**

श्री सुधीर गुप्ता:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पूंजी निवेश के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) योजना के तहत देश के तेईस राज्यों में अल्पज्ञात पर्यटन स्थलों के विकास के लिए 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी है;

(ख) यदि हां, तो राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार और स्थानवार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त पहल के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(घ) सरकार की उक्त पहल किस प्रकार अल्पज्ञात पर्यटन स्थलों की स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं और देश में रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद करेगी; और

(ड.) उक्त उद्देश्य के लिए सरकार द्वारा कुल कितनी धनराशि संस्वीकृत और जारी की गई है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ड.): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया है।

*****

श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे एवं श्री सुधीर गुप्ता द्वारा एसएएससीआई योजना के तहत विशेष सहायता के संबंध में दिनांक 03.02.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*12 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में **विवरण**

(क) से (घ): जी हां, भारत सरकार ने 'पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' नामक अपनी योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश के 23 राज्यों में 3295.76 करोड़ रु. की 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य देश में प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों को व्यापक रूप से विकसित करना तथा वैश्विक स्तर पर उनकी ब्रांडिंग और मार्केटिंग करना है। इस उद्यम की मुख्य विशेषताओं में समग्र पर्यटक अनुभव को विकसित करना, चयनित प्रस्तावों के लिए वित्तीय सहायता देना, पर्यटक मूल्य श्रृंखला की सभी कड़ियों को सुदृढ़ करना, डिजाइन और विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण विशेषज्ञता का उपयोग करना, सतत प्रचालन और अनुरक्षण आदि शामिल हैं। इस योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए सभी राज्यों को प्रचालन संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए थे। राज्य सरकारों से परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति के बाद निर्धारित मापदंडों के आधार पर उनका मूल्यांकन किया गया था जैसेकि, स्थल तक कनेक्टिविटी, पर्यटन संबंधी इको-सिस्टम, वहन क्षमता, स्थायित्व संबंधी उपाय, सतत प्रचालन और प्रबंधन, परियोजना पर प्रभाव और मूल्य सृजन, पर्यटन विपणन योजनाएं आदि। चूंकि परियोजना प्रस्तावों के परियोजना पर प्रभाव और मूल्य सृजन संबंधी खंड में अनुमानित रोजगार सृजन, निजी निवेश आदि से संबंधित घटक शामिल थे, इसलिए यह आशा की जाती है कि यह योजना उन गंतव्यों की स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं और रोजगार सृजन के लिए सहायक हो सकती है जहां ये परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं।

(ङ): उक्त उद्देश्य के लिए सरकार द्वारा स्वीकृत और जारी की गई निधियों की कुल राशि क्रमश: 3295.76 करोड़ रु. और 2175.20 करोड़ रु. है।

*****

अनुबंध

श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे एवं श्री सुधीर गुप्ता द्वारा एसएएससीआई योजना के तहत विशेष सहायता के संबंध में दिनांक 03.02.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*12 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

'पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र. सं.	**राज्य**	**परियोजना का नाम**	**लागत (करोड़ रु. में)**
1.	आंध्र प्रदेश	1. गंडिकोटा - किले एवं गोर्ज के अनुभव को बढ़ाना	77.91
		2. अखंड गोदावरी: (हैवलॉक ब्रिज और पुष्कर घाट), राजमहेंद्रवरम	94.44
2.	अरुणाचल प्रदेश	3. सियांग एडवेंचर और इको-रिट्रीट, पासीघाट	46.48
3.	असम	4. असम राज्य चिड़ियाघर सह वनस्पति उद्यान, गुवाहाटी	97.12
		5. शिवसागर में रंग घर का सौंदर्यीकरण	94.76
4.	बिहार	6. मत्स्यगंधा झील, सहरसा का विकास	97.61
		7. करमचट इको-पर्यटन और एडवेंचर हब	49.51
5.	छत्तीसगढ़	8. चित्रोत्पला फिल्म सिटी का विकास	95.79
		9. जनजातीय एवं सांस्कृतिक सम्मेलन केंद्र का विकास	51.87
6.	गोवा	10. छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय, पोंडा	97.46
		11. प्रस्तावित टाउन स्क्वायर, पोवोरिम	90.74
7.	गुजरात	12. केरली (मोकरसागर), पोरबंदर में इको पर्यटन गंतव्य	99.50
		13. टेंटेड सिटी और सम्मेलन केंद्र, धोर्डो	51.56
8.	झारखंड	14. तिलैया, कोडरमा का इको-पर्यटन विकास	34.87
9.	कर्नाटक	15. रोरिक और देविका रानी एस्टेट टाटागुनि, बेंगलुरु में इको पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र	99.17
		16. सवादत्ती यल्लम्मागुड्डा, बेलगावी का विकास	100.00
10.	केरल	17. अष्टमुडी जैव विविधता और पर्यावरण-मनोरंजक केंद्र, कोल्लम	59.71
		18. सरगालया: मालाबार के सांस्कृतिक क्रूसिबल के लिए ग्लोबल गेटवे	95.34

11.	मध्य प्रदेश	19. ओरछा एक मध्यकालीन कांति	99.92
		20. भोपाल में एमआईसीई के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कक्ष	99.38
12.	महाराष्ट्र	21. पूर्व आईएनएस गुलदार अंतर्जलीय संग्रहालय, कृत्रिम चट्टान और पनडुब्बी पर्यटन, सिंधुदुर्ग	46.91
		22. नासिक में "राम-काल पथ" का विकास	99.14
13.	मणिपुर	23. लोकटक लेक एक्सपीरियंस	89.48
14.	मेघालय	24. मावखानू, शिलांग में एमआईसीई अवसंरचना	99.27
		25. उमियम झील, शिलांग का पुनर्विकास	99.27
15.	ओडिशा	26. हीराकुड का विकास	99.90
		27. सतकोसिया का विकास	99.99
16.	पंजाब	28. हेरिटेज स्ट्रीट, एसबीएस नगर का विकास	53.45
17.	राजस्थान	29.जयपुर के आमेर-नाहरगढ़ एवं आसपास के क्षेत्र का विकास	49.31
		30. जल महल, जयपुर का विकास	96.61
18.	सिक्किम	31. स्काईवॉक, भालेढुंगा, यांगांग, नामची	97.37
		32. बॉर्डर एक्सपीरियंस, नाथुला	68.19
19.	तमिलनाडु	33. मामल्लापुरम में नंदवनम हेरिटेज पार्क	99.67
		34. देवला, ऊटी में फूलों का बगीचा	70.23
20.	तेलंगाना	35. रामप्पा क्षेत्र स्थायी पर्यटन परिपथ	73.74
		36. सोमसिल्ला निरोगता और आध्यात्मिक रिट्रीट, नल्लामाला	68.10
21.	त्रिपुरा	37. बंडुआर, गोमती में 51 शक्ति पीठ पार्क	97.70
22.	उत्तर प्रदेश	38. बटेश्वर, जिला- आगरा का विकास	74.05
		39. एकीकृत बौद्ध पर्यटन विकास, श्रावस्ती	80.24
23.	उत्तराखण्ड	40. प्रतिष्ठित शहर ऋषिकेश: राफ्टिंग बेस स्टेशन	100.00
		कुल	**3,295.76**

*****